

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

Press Note 22 May 2020

‘In nature lies our solution: nature arranges for everything beginning from a human being’s birth to her death’.

Today, on 22nd May, 2020, Hon’ble Governor of Uttar Pradesh and Chancellor of University of Lucknow Smt. Anandiben Patel attended the following programs via e-conferencing at the University of Lucknow:

1. Remote-laying the foundation stone for Girls’ Community Washroom
2. Release of the 1st Covid-19 special interactive issue of the University newsletter *The Chorus*
3. Release of the 1st ever bio-diversity index of Lucknow
4. Inaugural of international e-symposia organized on the occasion of International Day of Biological Diversity

Speakers invited from US, Japan, France, Brazil, UAE etc. to deliver lectures at the international e-symposia from several countries were also present during the inaugural function. The whole event was streamed live on the official YouTube channel of the University beginning 12 o clock.

At the beginning of the program, hon’ble Vice Chancellor of the University of Lucknow, Prof. Alok Kumar Rai welcomed everyone and informed everyone of the work done by the University in the last 5 months, and specially during the lock-down period. He spoke on the following points:

1. University of Lucknow is the first University in the country to start a unique 10 featured CBCS program.
2. University of Lucknow is going to become the first University in the country to assess its carbon foot-print.
3. University of Lucknow is the first University in the country to calculate a city’s bio-diversity index.
4. University of Lucknow is probably the first University in the country to have Youtube channels of all its departments (barring 1).
5. The University has prepared its new PhD ordinance that will be implemented once it is passed in the Academic Council meeting.
6. The University has created a new Academic Cell to expedite academic activities in the University.
7. The University is starting new programs and schemes for students. It has already started the student OPD (our pupils’ day) and TREE (teaching, reaching, emboldening and evaluating) initiatives, and will soon be beginning the scholarship scheme of ‘chhatra kalyan’ and earn-while-you-learn scheme ‘karm yogi’ under the Poor Boys’ Fund which has been renamed ‘Student Welfare Fund’.

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

8. The University is also starting new schemes for teachers, e.g. the uddeepan scheme for research promotion, the protsaahan scheme for new faculty, and the acclaim scheme for high quality ongoing research appreciation.
9. The University has created a Recruitment and Assessment Cell to look into these related matters and ensure speed and transparency in the same.
10. The university is mulling beginning a scheme for retired teachers of the University so that under the 'professor of eminence' scheme, their expertise too can be harnessed.
11. The University has already applied for research funding of more than 10 crores with several agencies and as per the wishes of the Hon'ble Her Excellency, is mulling logistics of starting a 'yog and alternative medicine' faculty as well as a new institute for teaching, research and training in handling infectious diseases like the Corona Virus.
12. The University has been running e-classes with its students based on the 3 C model: conduct in classes, connect with students and content creation.
13. The University has inked a technology transfer agreement for its indigenous sanitiser LUCHEM, it has created an immunity booster LU-Ram19, inked MoUs with the UP police for counselling of their servicepersons, and is currently on its way to signing a new MoU with the UP State Disaster Management office.
14. The University has been running its crowd sourced community kitchen since 6th April, and we have already fed more than 40,000 people.
15. The University has made all arrangements to being the 'garbh sanskaar' program, in the University including a new program in the Institute of Women's Studies.

Hon'ble Her Excellency Chancellor Madam then remotely laid the foundation stone of the Girls' Community Toilet for which she herself has given the University a generous grant of Rs. 10 lakh. HE then released the interactive issue of the newsletter *The Chorus*, and the 1st ever bio-diversity index of Lucknow. HE then inaugurated the international e-symposia 'Our Solutions are in Nature' and delivered her inaugural lecture. HE said that India is one of the 70 nations with the richest bio-diversity, in fact we contribute 7% to the bio-diversity of the world. She also said that both India's past and its culture understand the importance of bio-diversity. So much that that the atharvaved talks about several plants and herbs essential for human health and survival. She said that the international symposia's theme 'Our solutions are in nature' is extremely relevant and it is our duty to do whatever we can do help improve our biological diversity—e.g. planting as many trees as possible, as many herbs as possible. She welcomed all the speakers of the symposia and wished everyone the best. In the end, Her Excellency called out to the researchers present in the event to think how we as a University, as a city and as the public contribute to a greener city and maybe work towards achieving that, and measuring what changes have happened due to these efforts in the next year. She also floated the idea that a similar bio-diversity index of the Raj Bhavan may be made so that it can become clear what the Governor House can do to contribute towards a greener world.

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

“हमारे समाधान प्रकृति में: मनुष्य के जन्म के प्रारंभ से अंत तक की व्यवस्था प्रकृति करती है”

आज दिनांक 22 मई, 2020 को लखनऊ विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलाधिपति माननीया महामहिम श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने निम्नलिखित कार्यक्रमों में इ-माध्यम से सहभागिता की:

1. महिला सामुदायिक प्रसाधन केंद्र का विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में शिलान्यास
2. विश्वविद्यालय के न्यूजलेटर "द कोरस" के इंटरैक्टिव स्पेशल कोविड 19 अंक का विमोचन
3. लखनऊ के सबसे पहले बायोडायवर्सिटी इंडेक्स का लोकार्पण
4. अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के उपलक्ष पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय इ-सिम्पोजिया का उद्घाटन।

उद्घाटन समारोह में उक्त अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजिया में सम्मिलित होने हेतु जापान, दक्षिण अफ्रीका, यु ए ई, आदि विभिन्न देशों से आमंत्रित वक्ता भी मौजूद थे, जिनमें डॉ शकील अहमद, प्रो रुबेन यूसफ़, श्री रैनो केम्प, डॉ केरी क्रिगर, प्रो सिल्विया तुरेल, प्रो हावीयेर एलेना, श्री जेम्स चीज़मन और प्रो युकिहिरो औज़ाकि के नाम भी सम्मिलित हैं। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के औपचारिक यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम के माध्यम से अपराह्न 12 बजे से प्रसारित हुआ।

कार्यक्रम के प्रारंभ में लखनऊ विश्वविद्यालय के मा. कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने सबका स्वागत किया और पिछले 5 महीने और खासकर कोरोना वायरस की वजह से हुए लॉक डाउन के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किये गए नवीनतम कार्यों के बारे में बताया जो निम्नवत हैं:

1. 10 अभिलक्षणों वाला विश्वविद्यालय का CBCS program भारतवर्ष का ऐसा पहला कार्यक्रम है।
2. लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय बनने जा रहा है जो अपना कार्बन-फूट प्रिंट मापने जा रहा है।
3. लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने किसी भी शहर के बायो –डाइवर्सिटी इंडेक्स को कैलकुलेट किया हो।
4. लखनऊ विश्वविद्यालय शायद देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसके सभी विभागों (1 को छोड़कर) के अपने यू-ट्यूब चैनल है, जिनका इस लॉक डाउन के दौरान अच्छा इस्तेमाल हुआ है।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

5. विश्वविद्यालय अपना नया पीएचडी आर्डिनैस बना चुका है, और अगले अकादमिक काउंसिल की मीटिंग होते ही यह लागू भी कर दी जाएगी।
6. अकादमिक कार्यों को गति प्रदान करने विश्वविद्यालय ने नए अकादमिक सेल का भी गठन किया गया है।
7. छात्रों के लिए नयी अभिनव योजनाये शुरू की गयी है, जैसे स्टूडेंट ओ पी डी (आवर पुपिल्स डे) और त्री-स्कीम (टीचिंग, रीचिंग, एम्बोल्देनिंग, इवोल्विंग). पुअर बॉयज फण्ड का नाम बदलकर स्टूडेंट वेलफेयर फण्ड किया गया है, और उसी के तहत 'छात्र कल्याण' जो कि एक स्कालरशिप की स्कीम है और 'कर्म योगी' जो 'अर्ण व्हाइल यू लर्न' की स्कीम है, उनकी शुरुवात की गयी है।
8. अध्यापकों के लिए 3 स्कीम भी विश्वविद्यालय शुरू कर रहा है: उद्दीपन (रिसर्च प्रमोशन के लिए), प्रोत्साहन (नए अध्यापकों के लिए) और एकलेम (उत्कृष्ट शोध करते अध्यापकों के रिकग्निशन के लिए)।
9. अध्यापकों के प्रमोशन और रिक्रूटमेंट के कार्य को देखने लिए विश्वविद्यालय नए सेल का गठन कर चुका है।
10. रिटायर्ड अध्यापकों की मेधा का लाभ विश्वविद्यालय उठा सके, इसके लिए प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस की स्कीम भी विश्वविद्यालय चलाने जा रहा है।
11. विश्वविद्यालय 10 करोड़ से ज्यादा की रिसर्च फंडिंग के लिए अप्लाई कर चुका है और महामहिम की मंशा के अनुरूप योग व वैकल्पिक चिकित्सा के संकाय का सृजन और कोविड जैसी संक्रामक रोग पर टीचिंग, रिसर्च और ट्रेनिंग को आगे बढ़ाने के लिए एक इंस्टिट्यूट के प्रस्ताव पर भी काम हो रहा है।
12. कंडक्ट इन क्लासेज, कनेक्ट विथ स्टूडेंट्स और कंटेंट क्रिएशन —इस त्रिकोणीय मॉडल पर विश्वविद्यालय अपने ई-कक्षाएं चला रहा है।
13. विश्वविद्यालय अपने सेनेटाइजर का टेक्नोलॉजी ट्रांसफर कर चुका है, काढा भी बना चुका है और काउंसिलिंग के लिए यूपी पुलिस के साथ एम ओ यू भी कर चुका है, और आज शाम तक UP state disaster management के साथ एक और एम ओ यू करने जा रहे है।
14. 6 अप्रैल से विश्वविद्यालय का कम्युनिटी किचन चल रहा है और जो बहुत सक्सेसफुल रहा है। अब तक हम 40,000 लोगों को खाना खिला चुके है।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

15. गर्भ संस्कार के कार्यक्रम की सभी तैयारी हो चुकी है और इंस्टिट्यूट ऑफ वीमेन स्टडीज में यह एक प्रोग्राम के रूप में भी आने जा रहा है।

महामहिम ने सर्वप्रथम महिला प्रसाधन केंद्र का ई-माध्यम से शिलान्यास किया जिसके लिए उन्होंने अपने विवेकाधीन कोष से विश्वविद्यालय को १० लाख रुपये की धनराशी भी अवमुक्त की है। फिर उन्होंने मासिक न्यूजलेटर "द कोरस" के नए इंटरैक्टिव अंक का लोकार्पण और लखनऊ के जैव विविधता सूचकांक का विमोचन किया। उन्होंने जैव विविधता दिवस के उपलक्ष पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उदघाटन किया। महामहिम ने अपने सारगर्भित उद्घाटन व्याख्यान में भारत की जैव विविधता के बारे में बताया और श्रोताओं को सूचित किया कि पूरे विश्व की जैव विविधता में भारत की 7 प्रतिशत भागीदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का इतिहास और संस्कृति दोनों जैव विविधता के महत्त्व को समझते हैं यहाँ तक कि अथर्ववेद में विभिन्न औषधियों का उल्लेख है। महामहिम ने प्रस्तुत संगोष्ठी के मूल विषय 'हमारे समाधान प्रकृति में' के प्रासंगिकता का उल्लेख किया, यह कहा कि हमारा कर्तव्य है जैव विविधता को बढ़ावा देना, अधिक से अधिक पेड़ और औषधियां लगाना. उन्होंने ई-सिम्पोजिया में आये हुए सभी वक्ताओं का स्वागत किया और सभी को शुभकामनायें दीं। अंत में महामहिम ने लखनऊ विश्वविद्यालय के और समारोह में उपस्थित शोधकर्ताओं से आग्रह किया कि जैव विविधता में आने वाले एक साल के अन्दर क्या सुधार हुए ये देखने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से, पूरे शहर की ओर से और जनता की ओर जो करना पड़े, उसकी शुरुवात करनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से आग्रह किया कि राजभवन के जैव विविधता का भी एक सूचकांक तैयार करें और यह बताएं कि राजभवन में क्या करने की आवश्यकता है जिससे प्रकृति में सुधार लाया जा सके।